

14.9.18

पत्रांक/पं. ३६, वकील पत्रांक ३५०, पत्नी कायस्थ  
नं. ३. शा. १३६ अ. नं. ३. श्रीमान् श्रीमान् श्रीमान् श्रीमान् श्रीमान्  
सिद्धि पत्रांक से उचित करवाया जाकर शांति प्राप्त  
होगा। पत्रांक/पं. ३६ शा. १३६ अ. नं. ३. श्रीमान् श्रीमान् श्रीमान् श्रीमान् श्रीमान्  
है व वापस रफ्तार है। B

उपखण्ड अधिकारी  
चदयपुरवादी (अ. नं. ३)